बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

विद्या विहार, राय बरेली रोड, लखनऊ - 226 025

Babasaheb Bhimrao Ambedkar University

(A Central University)

Vidya Vihar, Raebareli Road, Lucknow-226 025

एक भारत श्रेष्ठ भारत

जेंडर चैम्पियन समिति और महिलाओं की आधारभूत सुविधाओं की समिति

लेखन प्रतियोगिता

"विषय– बैन ऑफ सिंगल यूज प्लास्टिक–रिडियूज, रियूज और रिसाइकिल"

(दिनांक– 14 सितम्बर 2021)

रिर्पोट

एक भारत श्रेष्ठ भारत, जेंडर चैम्पियन समिति और महिलाओं की आधारभूत समिति के संयुक्त तत्वाधान से स्वच्छता पखवाडा का आयोजन आजादी के अमृत महोत्सव समिति, द्वारा "लेखन प्रतियोगिता विषय– बैन ऑफ सिंगल यूज प्लास्टिक–रिडियूज, रियूज और रिसाइकिल" का अयोजन समिति के सदस्यो के सहयोग द्वारा प्रारम्भ किया गया। कार्यक्रम के संरक्षक विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 संजय सिंह, बी0बी0ए0यू0, लखनऊ थे। ऑनलाइन रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन कार्यक्रम की अध्यक्ष प्रो0 शिल्पी वर्मा, आजादी का अमृत महोत्सव समिति द्वारा प्रारम्भ किया गया। ऑनलाइन लेखन प्रतियोगिता की अंतिम तिथि 14 सितम्बर 2021 तक थी। जिसमें विश्वविद्यालय के कई छात्र/छात्राओं ने प्रतियोगिताओं में भाग लिया। जिसमें निबन्ध प्रतियोगिता का ऑनलाइन प्रतियोगिता कराई गयी। निबन्ध प्रतियोगिता सभी छात्र/छात्राओं द्वारा की गई रचना को जेंडर चैम्पियन समिति की ई–मेल **bbau.genderchampion@gmail.com** पर भेजा गया। निबन्ध प्रतियोगिता में लगभग 14 छात्र/छात्राओं के भाग लिया था। जिसमें विजेताओं के नाम निम्नलिखित हैः–

S. No	Name	Course	Semester	Department	Position
1	Narendra Bankira	M.Pharma.	3rd	Pharmaceuticals Science	1st
2	Chandni Verma	M.A.	3rd	Sociology	2nd
3	Deepshikha	M.Sc.	3rd	Zoology	2nd
4	Awanti Singh	M.A	3rd	Economics	3rd

(Chairperson)

Committee of CBFW, GCC & AKAM

Brochure

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय

विद्या विहार, राय बरेली रोड, लखनऊ - 226 025

Babasaheb Bhimrao Ambedkar University

(A Central University)

Vidya Vihar, Raebareli Road, Lucknow-226 025

Ek Bharat Shrestha Bharat

Gender Champions Committee & Committee of Basic Facilities for Women

SWACHATTA PAKHWADA

Essay Competition

"Ban of Single Use Plastic-Reduce, Reuse and Recycle"

Dated: 14th September 2021

Rules for Participation

- Essay should be in Hindi/English.
- Maximum word limit is 500 words.
- Entries must be original. Duplicate entries will not be considered under the competition and it should not be copied from any of the sources.
- Participants enter their Name, Course, Semester, Department Name, E-mail and Mobile Number correctly at the beginning of the essay.
- Send the essay written on plain paper and scanned in one PDF file on e-mail bbau.genderchampion@gmail.com
- Last date of submitting the entries is 14th Sep. 2021.

Patron

Prof. Sanjay Singh
Hon'ble Vice Chancellor

Organizers

Nodal Officer, EBSB	Chairperson	Cordinator
Prof. Naveen Kumar Arora	Prof. Shilpi Verma CBFW, GCC, AKAM	Dr. Rachana Gangwar

Some Glimpse of Essay Competition

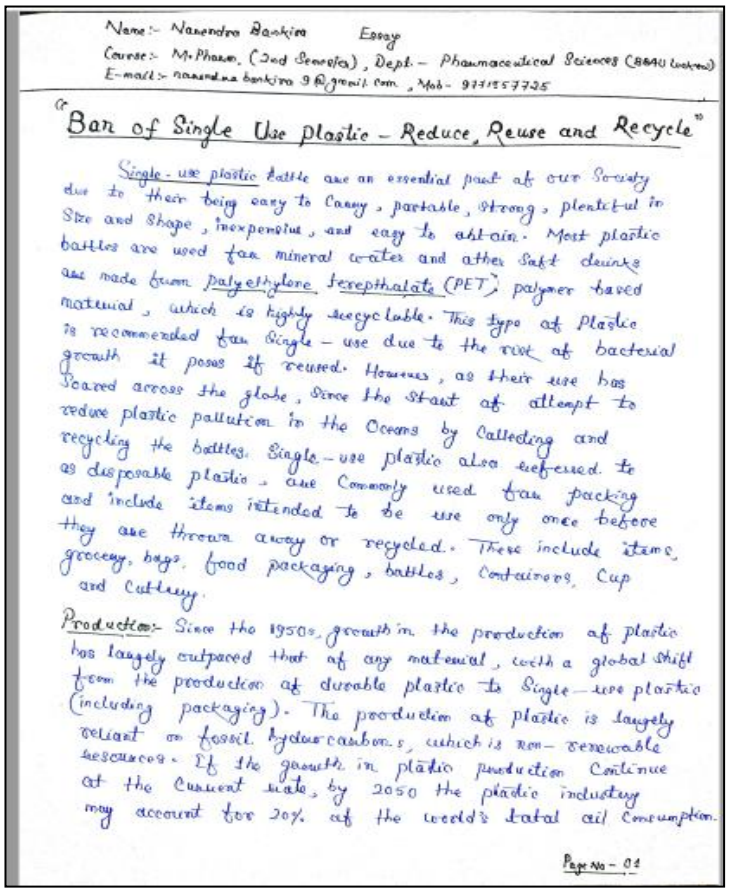

Name :- Narendra Bankira   Essay
Course :- M.Pharm. (2nd Semester), Dept. - Pharmaceutical Sciences (BBAU Lucknow)
E-mail :- narendra bankira 9 @gmail.com , Mob - 9771557725

"Ban of Single Use plastic - Reduce, Reuse and Recycle"

Single-use plastic bottle are an essential part of our Society due to their being easy to Carry, portable, strong, plentiful in Size and Shape, inexpensive, and easy to obtain. Most plastic bottles are used for mineral water and other Soft drinks are made from polyethylene terepthalate (PET) polymer based material, which is highly recyclable. This type of Plastic is recommended for Single-use due to the risk of bacterial growth it poses if reused. However, as their use has Soared across the globe, Since the Start of attempt to reduce plastic pollution in the Oceans by Collecting and recycling the bottles. Single-use plastic also referred to as disposable plastic, are Commonly used for packing and include items intended to be use only once before they are thrown away or recycled. These include items, grocery, bags, food packaging, bottles, Containers, Cup and Cutlery.

Production :- Since the 1950s, growth in the production of plastic has largely outpaced that of any material, with a global shift from the production of durable plastic to Single-use plastic (including packaging). The production of plastic is largely reliant on fossil hydrocarbons, which is non-renewable resources. If the growth in plastic production Continue at the Current rate, by 2050 the plastic industry may account for 20% of the world's total oil Consumption.

Page No - 01

निबन्ध

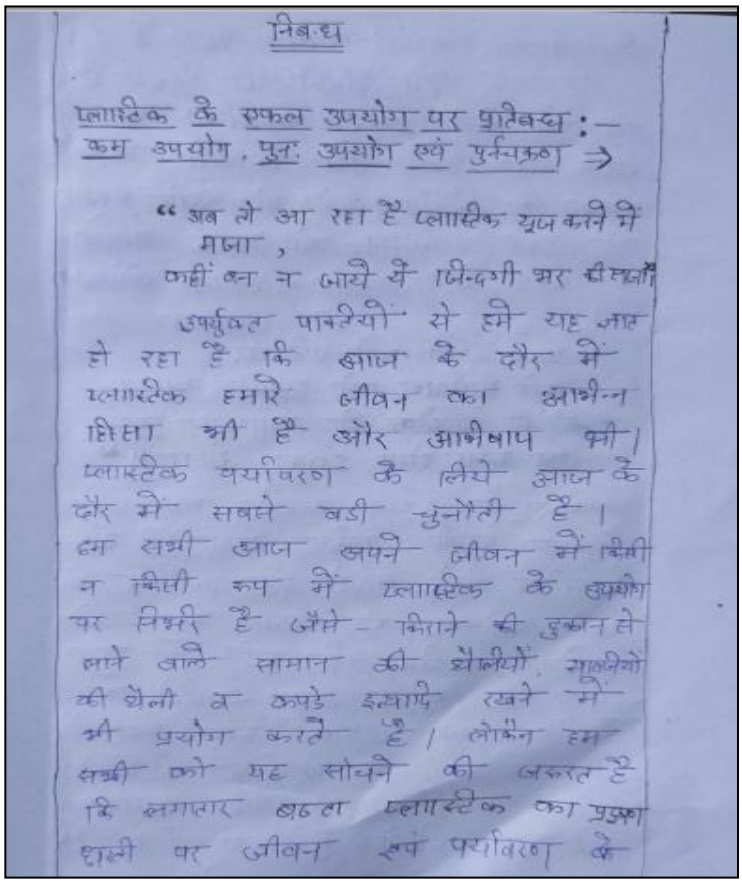

प्लास्टिक के एकल उपयोग पर प्रतिबन्ध :- कम उपयोग, पुन: उपयोग एवं पुर्नचक्रण ⇒

"अब तो आ रहा है प्लास्टिक यूज करने में मजा,
कहीं बन न जाये ये जिन्दगी भर की सजा"

उपर्युक्त पंक्तियों से हमे यह ज्ञात हो रहा है कि आज के दौर में प्लास्टिक हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा भी है और अभिशाप भी। प्लास्टिक पर्यावरण के लिये आज के दौर में सबसे बडी चुनौती है। हम सभी आज अपने जीवन में किसी न किसी रूप में प्लास्टिक के उपयोग पर निर्भर है जैसे - किराने की दुकान से लाने वाले सामान की थैलियाँ, सब्जियों की थैली व कपडे इत्यादि रखने में भी प्रयोग करते है। लेकिन हम सभी को यह सोचने की जरूरत है कि लगातार बढता प्लास्टिक का प्रयोग धरती पर जीवन एवं पर्यावरण के

सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध : रिड्यूस, रीयूज, रीसाइकिल

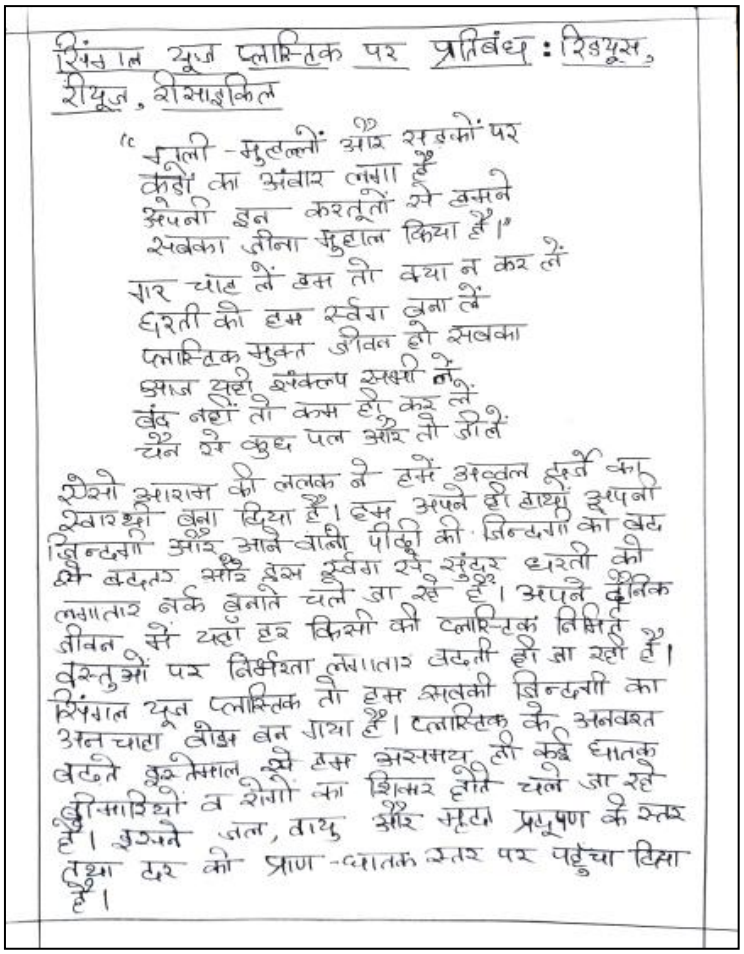

"गली - मुहल्लों और सड़कों पर
कूड़ों का अंबार लगा है
अपनी इन करतूतों से हमने
सबका जीना मुहाल किया है।"
गर चाह लें हम तो क्या न कर लें
धरती को हम स्वर्ग बना लें
प्लास्टिक मुक्त जीवन हो सबका
आज यही संकल्प सभी लें
बंद नहीं तो कम ही कर लें
चैन से कुछ पल और तो जी लें

ऐसो आराम की ललक ने हमें अव्वल दर्जे का स्वार्थी बना दिया है। हम अपने ही हाथों अपनी जिन्दगी और आने वाली पीढ़ी की जिन्दगी को बद से बदतर और इस स्वर्ग से सुंदर धरती को लगातार नर्क बनाते चले जा रहे हैं। अपने दैनिक जीवन में यहाँ हर किसी की प्लास्टिक निर्मित वस्तुओं पर निर्भरता लगातार बढ़ती ही जा रही है। सिंगल यूज प्लास्टिक तो हम सबकी जिन्दगी का अनचाहा बोझ बन गया है। प्लास्टिक के अनवरत बढ़ते इस्तेमाल से हम असमय ही कई घातक बीमारियों व रोगों का शिकार होते चले जा रहे हैं। इसने जल, वायु और मृदा प्रदूषण के स्तर तथा दर को प्राण-घातक स्तर पर पहुँचा दिया है।

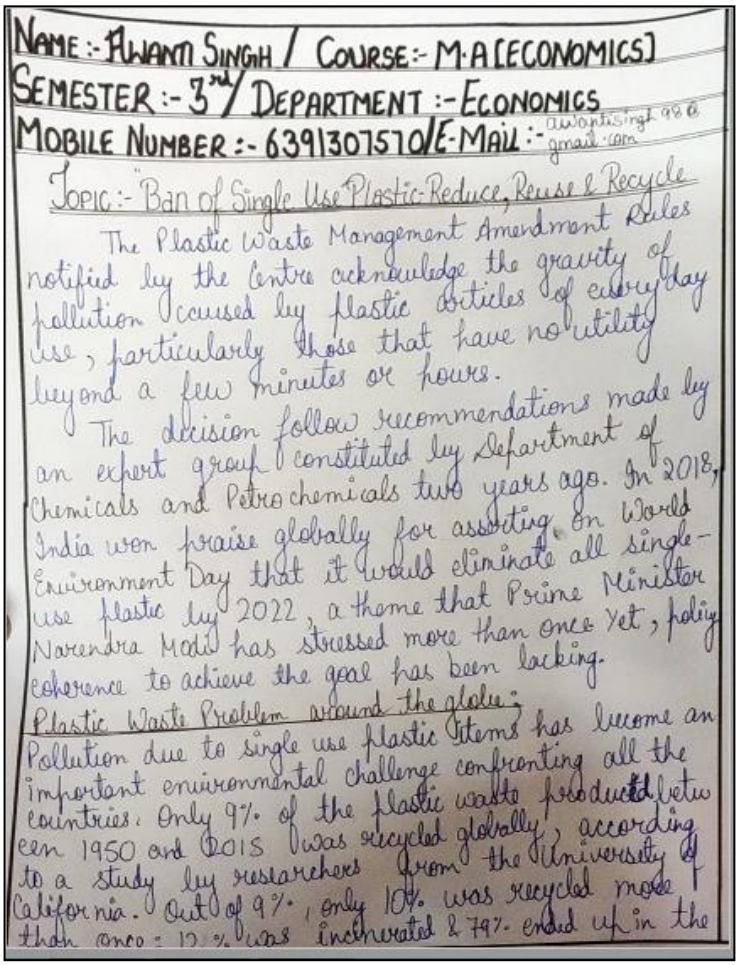

NAME :- AWANTI SINGH / COURSE :- M.A [ECONOMICS]
SEMESTER :- 3rd / DEPARTMENT :- ECONOMICS
MOBILE NUMBER :- 6391307570 / E-MAIL :- awantisingh98@gmail.com

TOPIC :- "Ban of Single Use Plastic - Reduce, Reuse & Recycle"

The Plastic Waste Management Amendment Rules notified by the Centre acknowledge the gravity of pollution caused by plastic articles of everyday use, particularly those that have no utility beyond a few minutes or hours.

The decision follow recommendations made by an expert group constituted by Department of Chemicals and Petrochemicals two years ago. In 2018, India won praise globally for asserting, on World Environment Day that it would eliminate all single-use plastic by 2022, a theme that Prime Minister Narendra Modi has stressed more than once. Yet, policy coherence to achieve the goal has been lacking.

Plastic Waste Problem around the globe:
Pollution due to single use plastic items has become an important environmental challenge confronting all the countries. Only 9% of the plastic waste produced between 1950 and 2015 was recycled globally, according to a study by researchers from the University of California. Out of 9%, only 10% was recycled more than once; 12% was incinerated & 79% ended up in the